## SWARNIM VIJAY VARSH 1971-2021

The Year 2021 marks the 50th Anniversary of the victory of the Indian Armed Forces during the 1971 Indo-Pak War. As a mark of tribute and celebration of the victory, the period December 2020 - 2021 is being observed as *Swarnim Vijay Varsh* by the Indian Armed Forces.

16 December, the day of the surrender of Pakistani forces, is celebrated as Vijay Diwas each year. This day witnessed the conclusion of the War with the Indian Armed Forces gaining a decisive victory over Pakistan. Pakistani forces in East Pakistan under the leadership of Lieutenant General AAK Niazi, surrendering to the Indian Armed forces, led by Lt Gen JS Aurora, GOC-in-C, Eastern Command. Also present during the Surrender Ceremony were Vice Admiral N Krishnan, FOC-in-C, Eastern Naval Command and Air Marshal HC Dewan, AOC-in-C, Eastern Air Command.

The 1971 Indo-Pak war commenced with Pakistan launching pre-emptive strikes on a large number of IAF bases. A swift response to these unprovoked attacks was launched by the Indian Armed Forces on the Western and Eastern Fronts, on Land, Sea and Air. Offensive action by the Indian Armed Forces led to the capture of Dhaka in East Pakistan, surrender of 93000 Pakistani soldiers and the emergence of Bangladesh as an independent nation. This was the largest surrender of Armed Forces post World War II. The historic victory of 1971 was achieved through the valour, gallantry and professionalism of the Commanders and Troops. It was a result of meticulous planning, dynamic leadership and innovation at multiple echelons. The stamp is symbolic of the resilience and tenacity of Soldiers, Sailors and Airmen, who were motivated by their leaders and convinced by the righteousness of their cause. As for the enemy, it had no way but surrender.

The defining characteristic of the war was the jointness and integration achieved among the three arms of India's Defence Forces. This, more than anything else, resulted in the success of the lightning campaign leading to the liberation of Bangladesh.

The stamp commemorates the iconic event in the history of Indian Subcontinent. As its centrepiece, it carries the *Swarnim Vijay Varsh* logo, designed by Lt Cdr Kushal Chandrashekhar of the Indian Navy, which was selected during an All India Competition held in Oct-Nov 2020. The stamp also commemorates the espirit-de-corps and spirit of jointmanship displayed by the Indian Armed Forces as well as the Indo-Bangla Forces.

With the launch of the *Swarnim Vijay Varsh* Stamp, India celebrates the professionalism and valour of its Armed Forces and reaffirms its commitment to its old friend and close neighbour, Bangladesh.

Department of Posts is pleased to issue the Commemorative Postage Stamp on Swarnim Vijay: 1971- 2021, a historic event for India and a day of pride for us all.

**Credits :**

Stamp/FDC /Brochure/
Cancellation Cachet : Ms. Nenu Gupta
Text : Referenced from content provided by Army Postal Service

भारतीय डाक
India Post

डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS



स्वर्णिम विजय वर्ष SWARNIM VIJAY VARSH



# विवरणिका BROCHURE

**Golden Jubilee of Indian Victory in the 1971 Indo-Pak War. (1971 - 2021)**

# स्वर्णिम विजय वर्ष 1971-2021

वर्ष 2021, 'भारत–पाकिस्तान युद्ध, 1971' में भारतीय सशस्त्र सेना की शानदार विजय के 50 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। इस गौरवपूर्ण विजय का जश्न मनाने के लिए, दिसंबर 2020 – 2021 की अवधि को भारतीय सशस्त्र सेना द्वारा ***स्वर्णिम विजय वर्ष*** के रूप में मनाया जा रहा है ।

16 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण को प्रतिवर्ष ***विजय दिवस*** के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भारतीय सशस्त्र सेना की पाकिस्तान पर निर्णायक विजय हुई और इसी के साथ युद्ध समाप्त हुआ। पूर्वी पाकिस्तान में लेफ्टिनेंट जनरल ए.ए.के. नियाज़ी के नेतृत्व में पाकिस्तानी सेना ने लेफ्टिनेंट जनरल जे.एस. अरोड़ा, जीओसी–इन–सी, पूर्वी कमान के नेतृत्व वाली भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इस आत्मसमर्पण कार्रवाई के दौरान वाइस एडमिरल एन. कृष्णन, एफओसी–इन–सी, पूर्वी नौसेना कमान और एयर मार्शल एच.सी. दीवान, एओसी–इन–सी, पूर्वी वायु कमान भी उपस्थित थे।

1971 के भारत–पाक युद्ध की शुरुआत का कारण पाकिस्तान द्वारा बड़ी संख्या में पहले भारतीय वायुसेना के अड्डों पर हमला किया जाना था। इन अकारण हमलों के जवाब में भारतीय सशस्त्र सेनाओं द्वारा पश्चिमी और पूर्वी मोर्चों पर, भूमि, समुद्र और आकाश में त्वरित कार्रवाई की गई। भारतीय सशस्त्र सेना द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के परिणामस्वरूप भारत ने पूर्वी पाकिस्तान के ढाका पर कब्जा कर लिया। 93000 पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा आत्मसमर्पण किया गया और एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में बांग्लादेश का उदय हुआ। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सशस्त्र बलों का यह सबसे बड़ा आत्मसमर्पण था। 1971 के युद्ध में भारत की ऐतिहासिक विजय इसके कमांडरों और सैनिकों के साहस, वीरता और उनके रण कौशल के साथ–साथ कई क्षेत्रों में सावधानीपूर्वक योजना बनाने, मजबूत नेतृत्व और नवाचार के बल पर ही संभव हो पाई। यह डाक–टिकट भारतीय सैनिकों, नाविकों और वायुसैनिकों के अटल एवं दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। ये सैनिक, अपने सेना नायकों के व्यक्तित्व से प्रेरित थे और इस बात से आश्वस्त थे कि वे सही लक्ष्य के लिए लड़ रहे थे। यही कारण था कि दुश्मन के पास आत्मसमर्पण के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था।

इस युद्ध की मुख्य विशेषता, भारतीय सशस्त्र सेना के तीनों अंगों के बीच आपसी सहयोग और एकता की भावना थी। यही सबसे बड़ा कारण था कि विद्युत गति से की गई यह फौजी कार्रवाई इतनी कामयाब रही कि इसने बांग्लादेश को मुक्ति दिलाई।

यह डाक–टिकट भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास की इस महत्वपूर्ण घटना को पुण्यस्मरण करता है। इस डाक–टिकट के केंद्र में, भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट कमांडर कुशल चंद्रशेखर द्वारा डिजाइन किया गया ***स्वर्णिम विजय वर्ष*** लोगो है। इस लोगो का चयन अक्तूबर–नवंबर 2020 में आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिता के माध्यम से किया गया था। यह डाक–टिकट, भारतीय सशस्त्र सेना के साथ–साथ भारत–बांग्लादेश सशस्त्र बलों के बीच आपसी सहयोग और भागीदारी को भी दर्शाता है।

स्वर्णिम विजय वर्ष डाक–टिकट जारी करते हुए, भारत अपनी सशस्त्र सेनाओं के रण कौशल और बहादुरी को सलाम करता है और इस डाक–टिकट के माध्यम से अपने पुराने मित्र और करीबी पड़ोसी देश, बांग्लादेश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

डाक विभाग,'स्वर्णिम विजय :1971–2021' विषय पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है, जो भारत के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है और हम सब के लिए गर्व का दिन है।


**आभार :**

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / सूचना विवरणिका / विरुपण कैशे : सुश्री नीनू गुप्ता

पाठ : सेना डाक सेवा (एपीएस) द्वारा प्रदान की गई सामग्री से संदर्भित।


भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

## तकनीकी आंकड़े
## TECHNICAL DATA

| | | |
|---|---|---|
| मूल्यवर्ग | : | 500 पैसे |
| Denomination | : | 500 p |
| मुद्रितडाक–टिकटें | : | 302400 |
| Stamps Printed | : | 302400 |
| मुद्रण प्रक्रिया | : | वेट ऑफसेट |
| Printing Process | : | Wet Offset |
| मुद्रक | : | प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद |
| Printer | : | Security Printing Press, Hyderabad |

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html


© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक–टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.


मूल्य:₹ 5.00